हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–292 : जौनपुर, बुधवार 02 मार्च फरवरी 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को हर हाल में लाएंगे वापस : अभियान में चार मंत्री लगाए गए – पीएम मोदी

सोनभद्र ब्यूरो : यूपी में आखिरी चरण के चुनाव के लिए सभी दल अपनी पूरी ताकत से प्रचार करने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनभद्र में जनसभा को संबोधित किया। चुर्क स्थित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप सभास्थल पर भारी भीड़ उमड़ी। पीएम मोदी ने जिले की चारों सीटों से भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में सभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि प्रदेश को बिजली देने वाली धरती को प्रणाम। उन्होंने कहा कि मैं आज देश के लोगों को भी ये विश्वास दिलाता हूं कि भारत सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए कोई कोर–कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। आज दुनिया में जो हालात बनें हैं वो आप देख रहे हैं। ये भारत का बढ़ता सामर्थ्य ही है कि हम यूक्रेन में फंसे हमारे देश के नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए इतना बड़ा अभियान चला रहे हैं। ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से कई हजार नागरिकों को वहां से देश वापस लाया जा चुका है। इस मिशन को गति देने के लिए भारत ने अपने 4 मंत्रियों को भी वहां पर भेज दिया है। संकट में फंसे भारतीयों को ज्यादा तेजी से निकालने के लिए हमारी सेना और वायुसेना को भी लगा दिया गया है। घोर परिवारवादियों ने किया कदम कदम भारता का अपमान पीएम मोदी ने कहा जो लोग आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाते हों, जो भारत की सेनाओं के अपमान करते हों, जो भारत के उद्यमियों की मेहनत से चल रहे मेक इन इंडिया अभियान का मखौल उड़ाते हों। वो घोर परिवारवादी लोग भारत को कभी ताकतवर नहीं बना सकते। ऐसे लोगों को आप कभी माफ मत करना। इन घोर परिवारवादियों ने कदम–कदम पर भारत का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ये अपमान यूपी के लोगों का अपमान है। आजादी के बाद इन लोगों को जब–जब सरकार बनाने का मौका मिला, आपको पीछे रखने का काम किया। ऐसे लोगों को आप कभी माफ मत करना। पीएम मोदी ने कहा कि भारत तभी ताकतवर बनेगा, जब दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम से कम होगी। बदलते हुए समय में भारत को और ज्यादा ताकतवर बनना ही होगा। पीएम मोदी ने कहा कि घर वो जिसमें नल से जल पहुंचे, इस अभियान को भी हम तेज गति से चला रहे हैं। सिर्फ इन दोनों योजनाओं के लिए इस वर्ष मोदी ने बजट में 1 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। हमने हजारों घर सोनभद्र में बनाए हैं। जो

लोग बाकी बचे हैं, उनको भी 10 मार्च के बाद फिर से सरकार बनने के बाद पक्के घर बनाने का काम तेजी से होगा। मैं आज सोनभद्र आकर आपसे आग्रह कर रहा हूं कि आपको इस परिस्थिति में जीने के लिए जिन्होंने मजबूर किया है। उन्हें माफ नहीं करना। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों बाद आज धरती आबा बिरसा मुंडा सहित अनेक जनजातीय सेनानियों, क्रांतिवीरों के योगदान को हमारी सरकार ने राष्ट्रीय पहचान दी है। भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को सरकार ने जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है। पीएम किसान सम्मान निधि का बड़ा लाभ सोनभद्र के किसानों को मिला है। अकेले सोनभद्र जिले में 2 लाख से अधिक किसानों के खातों में 350 करोड़ रुपये से भी अधिक की रकम जमा हो चुकी है। पीएम मोदी बोले– पूरे यूपी में दिख रहा उमंग पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों के पक्ष में इस जनसमर्थन ने यूपी चुनाव के नतीजे तय कर दिए हैं। अपना दल हो, निषाद पार्टी हो या भाजपा। उत्तर प्रदेश में मैं जहां–जहां गया हूं, इस गठबंधन के लिए एक भारी समर्थन, उत्साह और उमंग दिखाई दे रहा है। मैंने कई चुनाव देखे हैं। पहली बार देख रहा हूं कि चुनाव प्रत्याशी नहीं बल्कि जनता खुद लड़ रही है। अपने संबोधन में उन्होंने विपक्ष पर हमला बोला। कहा कि यह चुनाव देश की दशा तय करेगा। जनता से भाजपा को सत्ता में लाने की अपील की। काला छाता, काला कपड़ा, काला गमछा, काली टोपी, माचिस, ज्वलनशील पदार्थ, पानी की बोतल तथा झोला, बैग आदि लेकर पहुंचे लोगों को कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश नहीं मिला।

यूक्रेन–रूस युद्ध से बढ़ सकती है एथनॉल की मांग : आपूर्ति की तैयारियों में जुटी शुगर लॉबी

लखनऊ ब्यूरो : यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के चलते पेट्रोल के दामों उछाल आने की आशंका है। ऐसे में पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। लिहाजा एथनॉल की मांग बढ़ेगी। इसके मद्देनजर उत्तर प्रदेश की शुगर लॉबी भी युद्ध से पैदा हुए हालात का विश्लेषण करते हुए एथनॉल आपूर्ति की तैयारियों में लग गई है। उधर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के दाम सौ डालर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। दो मार्च 2021 को क्रूड ऑयल 63 डॉलर प्रति बैरल था, जो एक मार्च 2022 को दाम 101.84 डॉलर हो गया। इससे एक माह पहले एक फरवरी 2022 को 89 डालर प्रति बैरल था। माना जा रहा है कि इसका असर भारत में भी पड़ने जा रहा है। भले ही अभी दाम न बढ़ रहे हों, पर इनमें जल्द ही इजाफा हो सकता है। शुगर लॉबी को लग रहा है कि पेट्रोल के दामों भी बढ़ोतरी होने जा रही है, जो लंबी चलेगी। प्रदेश की 56 निजी मिलों में लगी डिस्टलरियां एथनॉल बनाती हैं। इसके लिए चार चीनी संघ की फैक्टरियां भी अभी चालू की गई हैं। निजी मिलों की बात करें तो वर्ष 2020–2021 के सत्र में 99.31 करोड़ लीटर एथनॉल का उत्पादन किया गया। चालू सत्र में अब तक 11.34 करोड़ लीटर एथनॉल की आपूर्ति की जा चुकी है। दरअसल शुगर लॉबी का मानना है कि अब जैसे ही पेट्रोल के दाम बढ़ेंगे तो सरकार पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण की प्रतिशतता और बढ़ाने को मंजूरी दे सकती है। सरकार इस समय 10 प्रतिशत एथनॉल मिलाने की बात कह रही है। पर, कहा जा रहा है कि इसे 20 प्रतिशत तक ले जाया जाए। अगर पेट्रोल में यह प्रतिशतता बढ़ी तो निश्चित रूप से यूपी की शुगर इंडस्ट्री को भारी लाभ होगा। यूपी शुगर मिल एसोसिएशन के महासचिव दीपक गुप्तारा कहते हैं कि हमारा पूरा प्रयास है कि पेट्रोलियम

कंपनियां जितना भी एथनॉल मांगेगी, उन्हें समय से दे दिया जाए। इसके लिए भविष्य की सभी संभावनाओं का अध्ययन कर रहे हैं और तैयार हैं। ये हैं कीमतें डिस्टलरियां तीन प्रकार से एथनॉल बनाती हैं। एक विशुद्ध गन्ने का रस यानी शुगर सीरप से बनता है। इसका रेट 63.45 रुपये प्रति लीटर है। दूसरा बी हैवी मोलाइसिस (ऐसा शुगर सीरप, जिसमें थोड़ी शुगर रह जाए) से बने एथनॉल का 59.08 रुपये प्रति लीटर और सी हैवी मोलाइसिस (जिसमें बिल्कुल शुगर न हो) से बने एथनॉल का रेट 46.66 रुपये प्रति लीटर है। पर पेंच भी कम नहीं सरकार भले ही पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण की बात करती हो, पर यूपी में अभी यह प्रतिशतता भी पूरी नहीं हो पाई है। अपर मुख्य सचिव चीनी एवं गन्ना संजय आर भूसरेड्डी कहते हैं कि वैसे तो इस लक्ष्य को अधिकतम 30 प्रतिशत तक ले जाया जा सकता है, लेकिन पहले 10 प्रतिशत के लक्ष्य को पूरा करना है। अभी मिश्रण का ओवरऑल औसत 8.1 प्रतिशत आ रहा है। हमारा लक्ष्य इस साल 160 करोड़ लीटर एथनॉल बनाना है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

दि.03.03.2022 को रहेगा रूट डाइवर्जन प्वाईंट शहर के बाहर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : 1–सुल्तानपुर रोड से शहर के तरफ आने वाले बड़े वाहन कोः– ट्रक डंपर इत्यादि को बक्सा हाईवे पर रोका जायेगा। तथा छोटे वाहन मुरादगंज से सिहींपुर रेलवे क्रॉसिंग की तरफ डाईवर्ट किया जायेगा जो पकड़ी के पास जाकर बनारस वाली हाईवे में चढ जायेंगें वहाँ से वाराणसी के तरफ निकल जायेंगे । रैली से सम्बन्धित वाहन ही शहर मे प्रवेश कर सकेगें । 2–प्रयागराज व प्रतापगढ़ से आने वाले बड़े वाहन कोः– ट्रक डंपर इत्यादि मछलीशहर से मडियाहु से चौकी जमालापुर होते हुए बाबतपुर वाराणसी के तरफ जायेंगे । तथा छोटे वाहनों को पकडी तिराहे के आगे अंडरपास से हाईवे की ओर डाईवर्ट किया जायेगा । रैली से सम्बन्धित वाहन ही शहर मे प्रवेश कर सकेगें । 3–वाराणसी रोड से शहर के तरफ आने वाले बड़े वाहन कोः– जलालपुर से थाना गद्दी के रास्ते केराकत से चंदवक के रास्ते आजमगढ़ निकलेंगे। तथा छोटे चार पहिया वाहन सिरकोनी से हाईवे की तरफ डाइवर्ट किया जाएगा, व सिरकोनी के बाद मातापुर की ओर मोटरसाइकिल के अतिरिक्त किसी भी वाहन का प्रवेश वर्जित होगा । रैली से सम्बन्धित वाहन ही शहर मे प्रवेश कर सकेगें । रैली से सम्बन्धित वाहन ही शहर मे प्रवेश कर सकेगें । 4–आजमगढ़ रोड से शहर के तरफ आने वाले बड़े वाहन कोः– जो भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र के तरफ जाते है को प्रसाद तिराहे से केराकत, थानागद्दी,जलालपुर चौराहे से मढड़ियाहु से भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र की तरफ जायेंगे । तथा जिनको प्रयागराज जाना है प्रसाद तिराहे से केराकत से थानागद्दी से जलालपुर चौराहे से मढड़ियाहु से मछलीशहर होते हुए जायेंगें । रैली से सम्बन्धित वाहन ही शहर मे प्रवेश कर सकेगें । 5–शाहगंज रोड से शहर के तरफ आने वाले बड़े वाहन कोः– पचहटिया तिराहे से प्रसाद तिराहा केराकत होते हुए वाराणसी की तरफ जायेंगे, या खेतासराय तिराहे से खुटहन, बदलापुर चौराहा, सुजानगंज, मछलीशहर होते हुए मडियाहु के रास्ते भदोही, की तरफ जायेंगें । रैली से सम्बन्धित वाहन ही शहर मे प्रवेश कर सकेगें। 6–भदोही रोड से शहर के तरफ आने वाले बड़े वाहन कोः– जो आजमगढ़ को जाते है मड़ियाहुँ से जलालपुर से थाना गद्दी से केराकत से चंदवक होते हुये जायेंगें । रैली से सम्बन्धित वाहन ही शहर मे प्रवेश कर सकेगें । पार्किंग प्वाईंट 1– टप्च पार्किंग–ज्क कालेज। 2– प्रयागराज व सुल्तानपुर के तरफ से आने वाले बडे वाहन कार्यक्रम सम्बन्धी पालिटेक्निक चौराहे से वाजीदपुर से आदर्श डाइग्नोसिस के पास लोगों को उतारकर रिवर व्यू होटल के आगे मा0 मंत्री जी के कार्यालय के बगल के ग्राउंड में वाहनों की पार्कींग होगी । 3– आजमगढ़ के तरफ से आने वाले कार्यक्रम सम्बन्धी बड़े वाहनों की रिवर व्यू होटल के आगे मा0 मंत्री जी के कार्यालय के बगल के ग्राउंड में वाहनों की पार्कींग होगी । 4– वाराणसी के तरफ से आने वाले कार्यक्रम सम्बन्धी बड़े वाहन वाजीदपुर से आदर्श डाइग्नोसिस के पास लोगों को उतारकर रिवर व्यू होटल के आगे मा0 मंत्री जी के कार्यालय के बगल के ग्राउंड में वाहनों की पार्कींग होगी । 5–कार्यक्रम सम्बन्धी आने वाले सभी छोटे वाहनों की नियर रोडवेज टत्व मैदान में पार्किंग होगी।

महाशिवरात्रि पर स्वामी अमित देव द्वारा विश्व शांति के लिए किया महा रुद्राभिषेक : खोसला

आर एल पाण्डेय दिल्ली। श्री योगाभ्यास आश्रम ट्रस्ट तिलक नगर के सचिव राजीव जोली खोसला ने बताया महाशिवरात्रि पर स्वामी अमित देव जी द्वारा विश्व शांति के लिए किया महा रुद्राभिषेक योगेश्वर स्वामी सुरेंद्र देव जी महादेव द्वारा स्थापित बढ़ पीपल और गुल्लर विशाल पेड़ की छाया में बने 9 फुट 9 इंच का विशाल योगेश्वर देवी दयाल त्रिदेव ज्योतिर्लिंग पर पूरी रात महा रुद्राभिषेक किया गया जिसमें सभी फलों के रस ,शहद, देसी घी ,दही, दूध ,भांग धतूरा विभिन्न प्रकार प्रकार क फल और फूल जिसमें कमल का फूल भी था सुबह से ही भक्तों का ताता मंदिर में लगा रहा वा सुबह 5:40 तक महा रुद्राभिषेक चला जिसमें सभी ने अपनी मनो कामना मांगी स्वामी अमित देव जी ने विश्व शांति विश्व कल्याण की कामना भी की श्री योग अभ्यास आश्रम ट्रस्ट134 साल पुरानी योग संस्था है जिसमें भारत के अलावा विदेश में रहने वालों का भी कल्याण होता है सब भक्तों की भरपूर आस्था है मौजूदा गुरु मां शक्ति देवी जी छोटी गुरु मां तनु अहूजा

छोटे साहब जादे रुद्रांश संस्था के अध्यक्ष महेश चंद्र गोयल, माननीय मयंक गोयल जी ,विनय भाटिया ,निखिल खोसला ,अधिवक्ता जैस्मिन खोसला, हरप्रीत सिंह, अकाश व सैकड़ों भक्त मौजूद थे वा फेसबुक के माध्यम से भी हजारों भक्तों ने महारुद्राभिषेक में भाग लिया।

यूपी में हर परिवार के एक सदस्य को दिलाएंगे रोजगार : मऊ में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

मऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मऊ के मधुबन विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान सीएम योगी ने सपा–बसपा और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार की विकास की नीतियों पर चर्चा करते हुए भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत से जीत दिलाने की अपील की। मधुबन के पाती मैदान में आयोजित जनसभा उन्होंने कहा कि 10 मार्च के बाद उज्जवला योजना के सभी लाभार्थी को होली और दीवाली में एक–एक गैस सिलेंडर मुफ्त मिलेगा। बेटी के जन्म पर हम 25 हजार रुपए देंगे। 60 साल से ऊपर जितनी भी महिलाएं और बहनें हैं उन्हें मुफ्त में उत्तर प्रदेश परिवहन बसों में सफर कराएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले पांच साल में पांच लाख नौजवानों को नौकरी दी है और दो करोड़ नौजवानों को स्वतः रोजगार से जोड़ा है। अगले पांच सालों के लिए सरकार ने तय किया है कि उत्तर प्रदेश में हर एक परिवार के सदस्य या स्वतः रोजगार उपलब्ध कराएंगे। छठवें में जोरदार झटके लगेंगे मुख्यमंत्री को सुनने के लिए पाती मैदान में बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी। मंच संभालते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र और राज्य सरकार के जनहित योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही विपक्षी दलों पर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज मुझे मधुबन में आने का अवसर मिला है। पांच चरणों का मतदान खत्म हो चुका हैं। छठवां चरण आ चुका है। रुझान

में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिल रहा है। छठवें में जोरदार झटके लगेंगे, भाजपा 275 पार करेगी। बढ़ते चुनावी चरणों के साथ जैसे भाजपा आगे है, वैसे विपक्षी भागने की फिराक में हैं। बुलडोजर बोलता नहीं, बोलती बंद करता है चुनाव से पहले भाजपा छोड़ने वाले कद्दावर नेता दारा सिंह का बिना नाम लिए निशाना साधा। उन्हें दगाबाज कहा। भाजपा प्रत्याशी को लेकर कहा कि चिंता नहीं करें, उन्हें ठोक बजाकर लाए हैं। सीएम योगी ने कहा कि सुरक्षा सबको दी जा रही है। वहीं माफियाओं को रौंदने का काम किया गया है। बुलडोजर बोलता नहीं, बोलती बंद करता है। एक माफिया मऊ में गोली चला रहा था। कार की बोनट पर बैठ कर वह गोली चलाता था। आज कीड़े की तरह रेंग रहा है। जनता से अपील किया कि भाजपा को चारों सीटों पर जीत दिलाएं।

मानव श्रृंखला बनाकर मतदान करने का किया अपील

जौनपुर सू.वि. : मतदाता जागरूकता अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को मतदान का महत्व बताने के लिए शहर के जगदीशपुर रेलवे क्रासिंग से कुत्तुपुर तिराहा तक लगभग 06 किलोमीटर लम्बी मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को 07 मार्च को मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने लाइन बाजार तिराहा के पास से श्रृंखलाबद्ध खड़े होकर औपचारिक शुरुआत की। मानव श्रृंखला जगदीशपुर रेलवे क्रासिंग से लाइन बाजार, हुसैनाबाद, टी0डी0 कालेज रोड, रोडवेज तिराहा, जेसीज चौराहा, ओलंदगंज, शाहीपुल, चहारसू, कोतवाली चौराहा, नवाब युसुफ रोड, ऊर्दू बाजार, सुख्खीपुर, शकरमंडी होते हुए कुत्तुपुर तिराहा तक बनाई गई। मानव श्रृंखला में तारा कान्वेंट इ.का., आर एन टैगोर इ. का, अशोक इ.का., मोहम्मद हसन इ.का., मोहम्मद हसन डिग्री कालेज, साजिदा गर्ल्स इ.का., रजा डी एम शीया इ.का. व डिग्री का., राजा श्री कृष्ण इ.का. व डिग्री कालेज, नगर पालिका इ. का., राज कान्वेंट इ का., बीआरपी इ.का., नेहरू बालोद्यान, टी डी महिला महाविद्यालय, टी.डी. इ का, जनक कुमारी इ. का, गुलाबी देवी बालिका इ. का, अवध पैरामेडिकल कालेज के छात्र छात्राएं एवं विकास खण्ड शाहगंज, करंजाकला, धर्मापुर, बक्शा, सिकरारा, मड़ियाहूं, सिरकोनी, जलालपुर, मुफ्तीगंज, केराकत व मछलीशहर के परिषदीय विद्यालयों के महिला पुरुष शिक्षक, और आंगनबाड़ी कार्यकत्री, सहायिका, आशा एएनएम, एनआरएलएम समूह की दीदीया, लायन्स क्लब जौनपुर मेन व लायन्स क्लब क्षितिज के सदस्य आदि ने मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जनपद के सभी मतदाताओं से अपील किया कि अपने मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक रहे तथा 7 मार्च को अपना वोट जरुर करें। उन्होंने युवाओं को स्वयं मतदान करने के साथ ही साथ अन्य लोगों को भी मतदान करने हेतु प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, खण्ड शिक्षा अधिकारी शाहगंज, सिकरारा, करंजाकला, मछलीशहर, नगर, सिरकोनी, बक्शा, प्रधानाचार्य डा. जंग बहादुर सिंह, डा सुभाष सिंह, नासिर खान, डा उदय राज सिंह, डा अलमदार नजर सहित विभिन्न कालेजों के प्रधानाचार्य शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

बेसिक शिक्षा परिषद : एक अप्रैल से नया सत्र पाठ्य पुस्तकों के वितरण की तैयारी नहीं

लखनऊ ब्यूरो : बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में एक अप्रैल से शैक्षिक सत्र 2022–23 शुरू हो जाएगा, लेकिन विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित कराने की तैयारी अभी तक शुरू नहीं की गई है। ऐसे में विद्यार्थियों को अप्रैल में पाठ्य पुस्तकों का वितरण होना संभव नहीं लग रहा है। उधर, विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म, जूता–मोजा, स्कूल बैग और स्वेटर की राशि का नकद भुगतान किया जाएगा या सामग्री खरीद कर वितरित की जाएगी, इस पर भी अभी निर्णय नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक नई सरकार के रुख पर इसका निर्णय किया जाएगा। परिषदीय स्कूलों में 1.80 करोड़ विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया जाता है। पहली कक्षा में ही एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया जाना है। वहीं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के तहत भी पाठ्यक्रम का निर्धारण होना है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक पाठ्यपुस्तक प्रकाशन को लेकर अभी तक टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। टेंडर प्रक्रिया को पूरा करने में करीब एक महीने से अधिक समय लगेगा। जिस भी फर्म को टेंडर मिलेगा, उसे पुस्तक प्रकाशित कर वितरण के लिए कम से कम दो महीने का समय देना होगा। ऐसे में मई जून तक ही स्कूलों में किताबें पहुंच सकेंगी।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
योगी न बन सकें तो उपयोगी अवश्य बनें।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

रुस–यूक्रेन युद्ध : गोर्बाचेव पुतिन और नाटो, तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़े हम

यूक्रेन पर पुतिन के क्रूर आक्रमण को कुछ भी उचित नहीं ठहरा सकता, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों की जान चली गई, बुनियादी ढांचे/संपत्तियों का विनाश हुआ और लाखों आम नागरिकों के जीवन में व्यवधान आया, जो पड़ोसी देशों में हताश शरणार्थी बन गए। पुतिन को निश्चित रूप से रोका जाना चाहिए। एक स्वतंत्र राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता के उल्लंघन को माफ नहीं किया जाना चाहिए।

हालांकि वर्ष 1991 में सोवियत साम्राज्य के पतन का श्रेय रोनाल्ड रीगन ने अमेरिका को दिया, लेकिन लाखों रूसियों का मानना था कि मिखाइल गोर्बाचेव द्वारा शुरू किए गए पेरेस्त्रोइका और ग्लासनोस्त अंततः सोवियत संघ के विघटन का कारण बने! हैरानी नहीं कि रूस के लोग गोर्बाचेव से नफरत करते थे और उनकी लोकप्रियता घटकर 3.5 फीसदी रह गई।

अन्य कई रूसियों की तरह व्लादिमीर पुतिन ने ऐतिहासिक रूस के विघटन पर अपमानित महसूस किया और गोर्बाचेव को कभी माफ नहीं किया। तथ्य यह है कि अत्यधिक विस्तृत सोवियत साम्राज्य आर्थिक रूप से अस्थिर हो गया था और हाशिये पर चला गया था। लेकिन गोर्बाचेव के बिना बर्लिन की दीवार नहीं गिरती और जर्मनी का एकीकरण नहीं होता! जाहिर है, जर्मनी में नायक के रूप में उनका स्वागत किया जाता था।

हालांकि अपने संस्मरण में गोर्बाचेव ने नाटो के पूर्व की ओर विस्तार नहीं होने के बारे में कुछ आश्वासनों की बात की थी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उन्होंने बाद में अपना दावा वापस ले लिया। हालांकि पुतिन का मानना था कि आश्वासन दिए गए थे। दिसंबर 2021 में चुटकी लेने के लिए उन्हें उद्धृत करते हुए कहा, 'आपने 1990 में हमसे वादा किया था कि (नाटो) पूर्व की ओर एक इंच भी आगे नहीं बढ़ेगा। आपने बेशर्मी से हमें धोखा दिया।'

पुतिन यूक्रेन को लेकर विशेष रूप से संवेदनशील थे और कहा था कि अगर यूक्रेन नाटो में शामिल होता है, तो यह रूस की सुरक्षा के लिए सीधे खतरा होगा। उन्हें लगा कि रूस के खिलाफ नाटो के हमले के लिए यूक्रेन फौजों का अड्डा बन सकता है। जॉर्जिया में पुतिन की कार्रवाई और 2014 में क्रीमिया पर उनके कब्जे से नाटो मुख्यालय को समझ जाना चाहिए था कि पुतिन फिर से कार्रवाई कर सकते हैं, यदि उनकी रेडलाइन को पार किया गया।

लेकिन नाटो ने पूर्व की ओर बहुत करीबी 14 देशों को लापरवाही से सदस्यता देते हुए अपना विस्तार किया, जिसने रूस को झकझोर कर रख दिया। रक्षा आपूर्ति की रिपोर्ट और यूक्रेन में साइबर हथियार और अंतरिक्ष हथियार को ऑपरेशनल डोमेन में डालने से पुतिन के संदेह और असुरक्षा बढ़ गई होगी। रूस कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिज्ञा चाहता था कि नाटो आगे विस्तार नहीं करेगा।

पुतिन ने यह भी मांग की कि नाटो 'रूस की सीमाओं के पास हथियार' तैनात नहीं करेगा, और 1997 से नाटो में शामिल होने वाले सदस्य देशों से बलों और सैन्य बुनियादी ढांचे को हटा देगा। दूसरे शब्दों में, रूस नाटो को 1997 से पहले की सीमाओं पर वापस भेजना चाहता था। हालांकि 1994 में, रूस ने यूक्रेन की स्वतंत्रता का सम्मान करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन पिछले साल पुतिन ने रूसियों और यूक्रेनियन को एक राष्ट्र के रूप में वर्णित किया और दावा किया कि आधुनिक यूक्रेन कम्युनिस्ट रूस द्वारा बनाया गया था।

पुतिन की सुरक्षा संबंधी चिंताएं जायज हैं। नाटो विस्तार लापरवाह और असंवेदनशील रहा है। सोवियत संघ के पतन पर उनके अपमान की भावना और यहां तक कि रूस के पुराने वैश्विक प्रभाव को बहाल करने के उनके सपनों को कोई भी समझ सकता है। अमेरिका, नाटो और यूरोपीय संघ को रूसी चिंताओं को खारिज करने के दोष से मुक्त नहीं किया जा सकता है।

लेकिन यूक्रेन पर पुतिन के क्रूर आक्रमण को कुछ भी उचित नहीं ठहरा सकता, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों की जान चली गई, बुनियादी ढांचे/संपत्तियों का विनाश हुआ और लाखों आम नागरिकों के जीवन में व्यवधान आया, जो पड़ोसी देशों में हताश शरणार्थी बन गए। पुतिन को निश्चित रूप से रोका जाना चाहिए। एक स्वतंत्र राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता के उल्लंघन को माफ नहीं किया जाना चाहिए।

यदि पुतिन को इसके लिए माफ कर दिया जाता है, तो यह एक विनाशकारी मिसाल कायम करेगा और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में पूर्ण अराजकता को जन्म देगा। क्या होगा यदि चीनी सेना अपने हजारों जवानों को टैंक और हथियार के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा के पार भेज देती है? भारत मुंबई हमलों (26/11) के सरगनाओं के पाकिस्तान स्थित आतंकी प्रशिक्षण और ठिकानों के बारे में जानता है।

क्या उन्हें पकड़ने के लिए भारत को पाकिस्तान पर हमला कर देना चाहिए? वर्ष 2003 में अमेरिका ने पूरी तरह से झूठे आरोप लगाकर इराक पर हमला किया। यह गलत था। लेकिन बुश ने कम से कम अपनी शर्म ढकने के लिए संयुक्त राष्ट्र से प्रस्ताव पास कराया। पुतिन ने अफगानिस्तान से अमेरिका के अपमानजनक ढंग से बाहर निकलने और अमेरिका–चीन के तनावपूर्ण संबंधों के बाद एक कमजोर अमेरिका का फायदा उठाकर यूक्रेन पर हमला किया।

उन्होंने मान लिया कि न तो अमेरिका और न ही नाटो युद्ध के मैदान में उतरेंगे। स्विफ्ट सुविधाओं पर प्रतिबंध, फेडेक्स सेवाओं को वापस लेने, रूसी विमानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने और रूसी तेल आपूर्ति को बंद करने सहित अमेरिका, यूरोपीय संघ और जी–7 सदस्यों द्वारा घोषित कड़े प्रतिबंधों का रूस की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। लेकिन उसमें समय लगेगा।

अर्थशास्त्री मेघनाद देसाई का मानना है कि एकमात्र चीन ही रूस को आर्थिक प्रतिबंधों को झेलने में मदद दे सकता है। रूस चतुराई से स्विफ्ट प्रतिबंधों को तोड़ने के लिए आभासी मुद्रा का इस्तेमाल कर सकता है। लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ में अपने भारी आर्थिक हितों को देखते हुए चीन एक सीमा से ज्यादा रूस की मदद नहीं कर सकता है।

रूसी रक्षा आपूर्ति पर भारत की निर्भरता और अमेरिका के साथ बढ़ते बहुआयामी संबंधों तथा यूक्रेन में फंसे सभी भारतीयों की सुरक्षित वापसी की अपनी प्राथमिकता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की अनुपस्थिति बिल्कुल वाजिब थी। लेकिन रूस के आक्रमण की निंदा की जानी चाहिए। इस पर चुप्पी संभावित आक्रमणकारियों को गलत संदेश देगी। ठीक है कि अमेरिका और नाटो अपने सैनिक नहीं भेज सकते, लेकिन क्या वे रूस के खिलाफ साइबर युद्ध नहीं शुरू कर सकते और यूक्रेन पर हमले को खत्म नहीं कर सकते? अपनी मातृभूमि को बचाने के लिए जोश से लड़ने वाले निडर जेलेंस्की समर्थन के पात्र हैं।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के 41 इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट के छात्रों का 13 लाख में हुआ सेलेक्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। बक्शी का तालाब स्थित एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में आईबीएम/विप्रो/इंडिया मार्ट/कॉग्निजेंट में सिलेक्शन हुआ जिसमें इंडियामार्ट में कुल तीन राउंड हुए जिसमे प्रथम राउंड पीपीटी प्रेजेंटेशन हुआ जिसमें कुल 225 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया उसके बाद छात्र छात्राओं ने एप्टिट्यूड टेस्ट में हिस्सा लिया एप्टिट्यूड टेस्ट को कुल 44 छात्रों ने क्लियर किया, उसके बाद 44 छात्र छात्राओं ने एचआर राउंड में हिस्सा लिया एचआर राउंड के बाद कुल14 छात्र छात्राओं का चयन हुआ जिसमे अखिलेश प्रताप सिंह का चयन 400000 के पैकेज पर हुआ अमन कुमार का चयन 330000 के पैकेज पर हुआ उर्वी सिंह का चयन 300000 के पैकेट पर हुआ धर्मेंद्र कुमार का चयन 330000 के पैकेज पर हुआ प्रफुल्ल तिवारी का चयन चार लाख के पैकेज पर हुआ स्पर्शी वर्मा का चयन 300000 के पैकेट से हुआ अखंड प्रताप का चयन 330000 के पैकेज पर हुआ अभिषेक गुप्ता का चयन 400000 के पैकेज पर एग्जीक्यूटिव क्लाइंट सर्विसेज पर चयन हुआ सारे छात्र छात्राओं ने अपने अपने ऑफर लेटर लेकर बहुत खुश हुए। उसी दौरान ऑनलाइन कैंपस ड्राइव में जानवी सिंह का चयन रिमोट टेक्निकल सपोर्ट पर 400000 के पैकेज पे आईबीएम में हुआ, मिथुन पाल व शिवांगी सिंह,शिवम श्रीवास्तव का चयन एसोसिएट प्रोजेक्ट इंजीनियर पर 350000 के पैकेज पे पर विप्रो में हुआ, एक ओर ऑनलाइन कैंपस ड्राइव श्रनेजकपंस में राम आदर्श यादव,चंद्रभान,सोनम मिश्र, मो0 हुसैन, अजय मोहन शुक्ला, अमितेश सिंह,अतुल शर्मा,पीयूष मधेशिया,तरुण कुमार सोनकर,आयुष गुप्ता,शिवम,अमन सोनी, योगेश कुमार शर्मा, जितेंद्र कुमार कानुजिया, गोलसँ कुमार सिंह, संदीप पांडेय, मनीष सिंह, अर्पित कुमार, सिमरन शर्मा, अभिजीत चन्द्रा का चयन सर्टिफाइड

इनटरनेट कॉउंसल्टेंट पर 2.52– 3.0 लाख पर चयन हुआ। मनिकरण प्राइवेट लिमिटेड में आशीष ,राहुल सूरज, सौरभ, प्रधुम्न,वीरबहादुर, सौरभ,अजय, सलिलं,संदीप का चयन मैनजमेंट ट्रेनी के पोस्ट पर 2. 25 लाख पर चयन हुआ। एसआर ग्रुप के चेयरमैन पवन सिंह चौहान जी ने सफल छात्रो को निरंतर प्रगतिशील रहने का आशीर्वाद दिया प्लेसमेंट ड्राइव के बाद एसआर ग्रुप के चेयरमैन पवन सिंह चौहान जी ने छात्र छात्राओं से कहा की आप अपने जीवन में खूब तरक्की करें और कठिन से कठिन समय में खूब मेहनत करें और ऐसे ही आप अपने जीवन में तरक्की करें और आप अपने माता पिता और समाज व अपने विद्यालय के अध्यापकों का नाम रोशन करें।

अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई :– डॉ. मोहम्मद वसी बेग

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : सोमवार को प्रकाशित सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 22 के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के दूसरे अग्रिम अनुमानों ने पहले अग्रिम अनुमानों में अनुमानित 9.2 प्रतिशत की तुलना में चालू वित्त वर्ष के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (वास्तविक जीडीपी) की वृद्धि 8.9 प्रतिशत आंकी है। अप्रैल–जून तिमाही में अर्थव्यवस्था में 20.1 प्रतिशत और जुलाई–सितंबर में 8.4 प्रतिशत का विस्तार हुआ, जिसका मुख्य कारण 2020 में उसी तिमाहियों में कमजोर प्रदर्शन था जब कोविड –19 महामारी ने जोर पकड़ लिया और देशव्यापी तालाबंदी लागू कर दी गई। ''वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद या सकल घरेलू उत्पाद लगातार (2011–12) की कीमतों में वित्त वर्ष 2011–22 में 147.72 लाख करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त करने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2020–21 के लिए सकल घरेलू उत्पाद का पहला संशोधित अनुमान 135.58 लाख करोड़ रुपये है। , 31.01. 2022 को जारी किया गया, ''सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा। हालांकि, दिसंबर में भारत का औद्योगिक उत्पादन महज 0.4 फीसदी बढ़ा, जो उम्मीद से काफी धीमी गति थी। अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में वृद्धि पिछली तिमाही (जुलाई–सितंबर) की तुलना में कम है, मूल रूप से समीक्षाधीन अवधि के दौरान कृ

षि, खनन और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में वृद्धि में गिरावट के कारण। हालांकि यह लगातार पांचवीं तिमाही है जब जीडीपी में सकारात्मक वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी फरवरी की बैठक में विकास को प्राथमिकता दी है और ब्याज दरों को रिकॉर्ड स्तर पर रखा है, बावजूद इसके कि मुद्रास्फीति अपने लक्ष्य सीमा की ऊपरी सीमा को पार कर गई है। इस गिरावट का कारण वित्त वर्ष 2011 के सकल घरेलू उत्पाद के संकुचन में हालिया ऊपर की ओर संशोधन है, जो नकारात्मक 7.3 प्रतिशत से नकारात्मक 6.6 प्रतिशत है। अर्थशास्त्रियों को उम्मीद थी कि दिसंबर के अंत तक तीन महीनों के दौरान साल–दर–साल विकास दर पिछली दो तिमाहियों की तुलना में धीमी है, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद धीमी गति पर नए डर बढ़ रहे हैं। इस बीच, आर्थिक सर्वेक्षण ने मार्च 2022 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।

अखिलेश को राजाभैया का जवाब– राजनीति में इतनी घृणा ठीक नहीं

प्रतापगढ़ ब्यूरो : जिले में पांचवें चरण का मतदान समाप्त होने के बाद भी कुंडा को लेकर प्रदेश की सियासत गरम है। ट्विटर पर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजाभैया के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने ट्विटर पर एक वीडियो डालते हुए कुंडा का चुनाव रद्द करने की मांग की। इसके जवाब में राजाभैया ने ट्वीट कर पलटवार किया। उन्होंने लिखा कि राजनीति में इतनी घृणा अच्छी नहीं होती। कुंडा विधानसभा में रविवार को हुए मतदान को लेकर जनसत्ता दल व सपा कार्यकर्ताओं के बीच क्षेत्र में जहां रार छिड़ी है, वहीं प्रदेश की सियासत के कद्दावर नेताओं के बीच भी सोशल मीडिया पर जंग छिड़ गई है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोमवार की शाम ट्विटर पर एक वीडियो डालते हुए लिखा कि कुंडा में बूथ पर उपस्थित किसी दल के अवांछित व्यक्ति द्वारा सरेआम वोटों का बटन दबाया जा रहा है। इसे संज्ञान में लेते हुए चुनाव पर्यवेक्षक निर्वाचन आयोग से कुंडा का चुनाव रद्द करने की अपील करें। साथ ही दोषी व्यक्ति को चिह्नित कर तत्काल गिरफ्तार करवाएं। सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव का यह ट्वीट तेजी से वायरल होने लगा। प्रशासन भी इसकी हकीकत खंगालने में जुट गया। पुलिस की ओर से वीडियो को लेकर अपना पक्ष रखते हुए हरियाणा का बताया गया था। सियासी माहौल गरमाने पर कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह ने सपा मुखिया

अखिलेश यादव को रिट्वीट किया। उन्होंने लिखा, आप एक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और वरिष्ठ राजनेता भी, उक्त वीडियो 2019 के चुनाव का हरियाणा का है। जिसे आप कुंडा का बताकर चुनाव निरस्त करने की मांग कर रहे हैं। राजनीति में इतनी घृणा भी अच्छी नहीं होती। बूथ कैप्चरिंग को लेकर ट्वीट करने वाले पर मुकदमा 27 फरवरी को कुंडा विधानसभा क्षेत्र में बूथ कैप्चरिंग का मामला ट्वीट करने के मामले में नगर कोतवाल रवींद्रनाथ राय की तहरीर पर कोतवाली में नरेंद्र यादव नाम के व्यक्ति के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

अंगुली पर अमिट स्याही हो तो डॉक्टर को दिखाइए निशुल्क : नहीं लगेगा एक भी रुपया

गोरखपुर ब्यूरो : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के डॉक्टर मतदान करने वाले नागरिकों को निशुल्क इलाज की सुविधा देंगे। इसके लिए लोगों का अंगुली पर लगी अमिट स्याही दिखाकर निशुल्क पर्चा बनेगा। छह मार्च को सीतापुर आई हॉस्पिटल में लोग इसका लाभ उठा सकते हैं। आईएमए का उद्देश्य है कि तीन मार्च को जिले में अधिक से अधिक मतदान हो। आईएमए अध्यक्ष डॉ. शिवशंकर शाही ने नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक मतदान कर प्रदेश में गोरखपुर का नाम रोशन करें। बताया कि आईएमए लगातार मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर अभियान चला रहा है। इसमें सभी डॉक्टर सहयोग कर रहे हैं। डॉक्टर पर्चे पर मतदान की अपील भी कर रहे हैं। बताया कि मतदान करने वाले लोगों का प्राथमिकता के आधार पर इलाज किया जाएगा। इसके लिए छह मार्च को आईएमए की ओर से विशेष निशुल्क मल्टी सुपर स्पेशियलिटी शिविर सीतापुर आई हॉस्पिटल में लगाया जाएगा। शिविर में नौ बजे से लेकर 12 बजे के बीच मल्टी सुपर स्पेशियलिटी कैंप में कोई भी नागरिक अंगुली पर लगी अमिट स्याही दिखाकर निशुल्क पर्चा बनवा सकता है। उस पर्चे से शहर के विशिष्ट डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं। अगर मरीज को भर्ती करने की आवश्यकता पड़ती है या ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ती है तो आईएमए उस पर भी रियायत करेगा। सचिव डॉ. वीएन अग्रवाल ने कहा है मतदान करेंगे, तभी अच्छी सरकार बनेगी। ऐसे में मतदान सबसे जरूरी है। उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. अमित मिश्रा, डॉ. गगन गुप्ता, डॉ. अल्पना अग्रवाल, डॉ. अरुणा छापड़िया, मीडिया प्रभारी डॉ. इमरान अख्तर, सह सचिव डॉ. वाई सिंह, डॉ. शांतनु अग्रवाल, डॉ. प्रकाश चंद शाही, डॉ. अंजू श्रीवास्तव, डॉ. भारतेंदु जैन, डॉ. अजय शुक्ला, डॉ. दीप्ति चतुर्वेदी, डॉ. बबीता शुक्ला, डॉ. संजीव गुप्ता आदि ने अपील की है कि तीन मार्च को अधिक से अधिक मतदान करें।

हर बूथ पर अर्द्धसैनिक बल संभालेंगे कमान, बिहार : नेपाल सीमा से सटे जिलों में रहेगी विशेष सतर्कता

गोरखपुर ब्यूरो : विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए बनाए गए सभी केंद्रों पर अर्द्धसैनिक बल की तैनाती की जाएगी। अति संवेदनशील, संवेदनशील गांवों में पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। बिहार, नेपाल से सटे सीमा के जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। दूसरे प्रदेश से जुड़ने वाली नदियों में नाव की मदद से पुलिस निगरानी करेगी। उधर, गोरखपुर जिले को 293 सेक्टर में बांटकर ड्यूटी लगाई गई है। 27 जगहों पर बैरियर लगेंगे। जानकारी के मुताबिक, गोरखपुर–बस्ती मंडल में 585 कंपनी अर्द्धसैनिक बल की तैनाती होगी। इसके अलावा 38 हजार 690 पुलिसकर्मी और 28 हजार 521 होमगार्ड की ड्यूटी लगाई जाएगी। एडीजी जोन अखिल कुमार ने सीमावर्ती जिलों में चौकसी और बढ़ाने का आदेश दिया है। लगातार पुलिस गांवों में जाकर लोगों से एक ओर जहां मतदान की अपील कर रही है तो वहीं दूसरी ओर सुरक्षा का भी एहसास करा रही है। गोरखपुर में चुनाव को देखते हुए कुशीनगर, महराजगंज और देवरिया के सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। निर्भीक होकर करें मतदान, पुलिस है आपके साथ विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अति संवेदनशील गांवों में जाकर पुलिस सुरक्षा का भरोसा दिला रही है।

पुलिस लोगों से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील कर रही है। साथ ही सीओ, थानेदार अपना मोबाइल फोन नंबर भी गांव वालों को देकर आ रहे हैं, ताकि कहीं पर भी कोई दिक्कत आए तो तत्काल सूचना मिल सके। जानकारी के मुताबिक, चौरीचौरा इलाके के डुमरी खास में प्रेक्षक, सीओ चौरीचौरा अखिलानंद फोर्स के साथ गांव में पहुंचे थे। पूरे गांव में भ्रमण कर लोगों से अपील की गई कि वे निर्भीक होकर मतदान करें। कहीं कोई दबाव बनाए तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। इसी क्रम में गगहा इलाके के सिंहोड़वा गांव में इंस्पेक्टर गगहा फोर्स के साथ पहुंचे थे। गांव में भ्रमण कर चौपाल लगाए और लोगों से मतदान की अपील की। पुलिस ने चुनाव के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में भी ग्रामीणों से पूछा। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि गांव और मतदान केंद्र पर कड़े सुरक्षा इंतजाम रहेंगे।

आखिरी स्नान पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी : शिवालयों में गूंजे जयकारे

प्रयागराज ब्यूरो : माघ मेला के आखिरी स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर मंगलवार को संगम में पुण्य की आखिरी डुबकी के लिए आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। संगम समेत पांच हजार वर्ग मीटर लंबे गंगा घाटों पर हर हर महादेव के जयघोष से संगम क्षेत्र शिवमय हो गया। घाटों पर हल्दी–चंदन के टीके लगाकर महिलाएं गंगा पूजन करती रहीं और समूहों में जगह–जगह मंगलगीत गाए जाते रहे। रेती पर दीपदान, ध्यान और अनुष्ठान हो रहे हैं। मेला प्रशासन का दावा है कि दोपहर दो बजे तक लगभग साढ़े तीन लाख श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। इसी तरह महाशिवरात्रि पर शिवालयों में सुबह से ही आस्था की कतारें लग गई हैं। मनकामेश्वर महादेव मंदिर में यमुना तट स्थित मंदिर से लेकर मुख्य सड़क तक लोग अपनी बारी के इंतजार में खड़े रहे। सोमेश्वर, भरद्वाजेश्वर समेत अन्य शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए लंबी कतार लगी रही।

48 सीटों पर कांग्रेस की मजबूती से चुनावी समीकरण प्रभावित : बताना मुश्किल है किसकी होगी जीत

लखनऊ ब्यूरो : यूपी विधानसभा चुनाव में 48 सीटों पर कांग्रेस के दम दिखाने से चुनावी समीकरणों पर असर पड़ा है। इन सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले से हार–जीत का अंतर कम होगा। दिग्गज भी मान रहे हैं कि यह कहना मुश्किल है कि ऊंट किस करवट बैठेगा? इन 48 सीटों में से अधिकतर पर मतदान हो चुका है। गोंडा की गौरा सीट पर कांग्रेस त्रिकोण बनाने में सफल रही है। यहां सपा ने अति पिछड़े, बसपा ने मुस्लिम, भाजपा ने पिछड़े और कांग्रेस ने सामान्य वर्ग के प्रत्याशी पर दांव लगाया है। कांग्रेस ने यहां पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह को चुनाव मैदान में उतारा। इस सीट पर सपा और भाजपा के साथ ही कांग्रेस के अच्छा लड़ने से जहां रण दिलचस्प हुआ, वहीं परिणाम भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। उधर, बहराइच की महसी सीट पर कभी सपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके राजेश तिवारी को कांग्रेस ने उतारकर चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। सपा ने भी यहां से ब्राह्मण प्रत्याशी दिया। जबकि भाजपा ने क्षत्रिय पर दांव लगाया। यहां बने त्रिकोण ने लड़ाई को किसी के लिए भी आसान नहीं रहने दिया। अमेठी की गौरीगंज सीट पर कांग्रेस ने मजबूत मुस्लिम प्रत्याशी देकर मुकाबले को दिलचस्प बनाया। मुख्य लड़ाई में भाजपा, सपा और कांग्रेस ही दिखे। यहां की जगदीशपुर और सलोन सीट पर भी कांग्रेस ने अपना दमखम दिखाया। अमेठी में भी त्रिकोणीय मुकाबले के कारण जीत–हार का अंतर ज्यादा नहीं रहने की संभावना है। रायबरेली की हरचंदपुर सीट पिछली बार कांग्रेस के खाते में गई थी, लेकिन बाद में उसके विधायक राकेश सिंह भाजपा में चले गए। उन्हें भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया। यहां कांग्रेस के

प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह के चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने की संभावना से शायद ही कोई इनकार करे। अमेठी और रायबरेली सदर में भी कुछ इसी तरह की स्थिति दिखी। इन सीटों पर भी कांग्रेस मुकाबले में बुंदेलखंड की कालपी, हमीरपुर और महोबा सीट पर भी कांग्रेस मुकाबले में रही। आगरा की खैरागढ़ सीट पर कांग्रेस की मजबूती ने दिग्गजों को हैरत में डाला है। अलीगढ़ की कोल सीट पर भी वह हार–जीत के समीकरणों को प्रभावित करने की स्थिति में बताई जाती है। हरदोई की मल्लावां सीट पर पाल प्रत्याशी उतारकर कांग्रेस मुकाबले में आ गई। दूसरे दलों के विश्लेषक भी इससे इनकार नहीं कर रहे हैं। छठे और सातवें चरण की देवरिया की रुद्रपुर, वाराणसी की पिंडरा, कैंट व रोहनिया सीट और महराजगंज की फरेंदा में कांग्रेस मुख्य लड़ाई में दिख रही है। महराजगंज के तमकुहीराज से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और दो बार के विधायक अजय कुमार लल्लू मैदान में हैं। कांग्रेस बलरामपुर की उतरौला और तुलसीपुर सीट पर भी उपस्थिति दर्ज कराते हुए दिख रही है। बलरामपुर जिले में भी 3 मार्च को मतदान होगा। इस तरह से प्रदेश की कुल 48 सीटों पर कांग्रेस समीकरण बनाते–बिगड़ते दिख रही है।

जौनपुर में अखिलेश यादव बोले– धुआं वाले धुआं–धुआं हो जाएंगे : सपा के पक्ष में हो रही धुआंधार वोटिंग

जौनपुर ब्यूरो : जौनपुर के शाहगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि अब तक के चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में धुआंधार वोटिंग हुई है। इस बार धुआं वाले धुआं–धुआं हो जाएंगे। दावा किया कि सपा प्रत्याशी की रिकॉर्ड मतों से जीत होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि कहने को तो भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन काम और वादों का आंकलन करेंगे तो दुनिया की सबसे झूठी पार्टी भाजपा नजर आएगी। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसानों को समय पर खाद नहीं दे पाई। खाद मिली तो बोरी से पांच किलो की चोरी हो गई। अगर ये भाजपा वाले दोबारा आ गए तो खाद की बोरी से 10 किलो की चोरी कर लेंगे। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर लगाए कई आरोप अखिलेश यादव ने कहा कि आखिरी चरण आपका है। पहली बार मैं देख रहा हूं कि जनता चुनाव लड़ रही है। सपा नेता ने कहा कि सपा ने अपने शासनकाल में जो एंबुलेंस चलाई थी उसे बाबा मुख्यमंत्री ने खराब कर दी। बाबा जी ने डायल 100 को भी बर्बाद कर दिया। यह देश का सबसे बड़ा चुनाव है। यह बदलाव का चुनाव है। यह भारत के संविधान को बचाने का चुनाव है। अखिलेश यादव ने कहा उन्हें (भाजपा) अब तो उन्हें नींद नहीं आ रही है। कहा कि हम परिवार वाले लोग बाबा मुख्यमंत्री को सलाह देते हैं। भाजपा के लोगों को जौनपुर के लोगों ने मौन कर दिया है। पांचवें चरण में तो भाजपा के लोग शांत हो गए हैं। 6वें में उनकी भांप निकाल देंगे। चुनावी वादों की लगाई झड़ी प्रदेश भर में 11 लाख पद खाली है। सत्ता में आने पर भर्ती निकाली जाएगी। सरकार बनेगी तो 24 घंटे बिजली दी जाएगी और 300 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। किसानों की सिंचाई माफ होगी, नौकरी और रोजगार के अवसर दी जाएगी। जरूरत पड़ेगी तो जौनपुर को एक्सप्रेसवे से जोड़ने का काम किया जाएगा। उन्होंने फिर से दोहराया कि सपा की इस बार ऐतिहासिक जीत होगी। कहा कि हम सरकार बनाने के लिए वोट मांगने आए हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज और तीन जनसभाओं को संबोधित

करेंगे। सीएम योगी पर अखिलेश यादव ने कसा तंज सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा। कहा कि मुख्यमंत्री बार–बार कहते हैं हम परिवादी लोग है। उन्होंने बलिया में 15 बार इस शब्द का इस्तेमाल किया था। हम कहते हैं कि हम परिवार वाले लोग हैं और बाबा मुख्यमंत्री को सलाह देते हैं, जब जाना तो अपने गुल्लू के लिए बिस्किट लेते जाना। हालांकि वे 11 मार्च को गोरखपुर के लिए लखनऊ से टिकट बुक करा लिए हैं। जिनको हार का डर, वो पहुंच गए बनारस अखिलेश यादव ने कहा कि जब पिछली बार वोट चाहिए था तो इन्होंने फ्री सिलेंडर बांटे थे, जब आज वोट मांगने आए हैं तो बताओ सिलेंडर का रेट क्या है? हम लोग चुनाव की तारीखों का इंतजार कर रहे थे। ये देश का सबसे बड़ा चुनाव है। इसका असर देश की राजनीति पर पड़ेगा। इस बार जिनको हार का सबसे डर है वो पहले से ही बनारस पहुंच गए हैं। इस बार ना केवल जौनपुर बल्कि बनारस, चंदौली, सोनभद्र, आजमगढ़, भदोही, गाजीपुर के लोग इनका खाता तक नहीं खुलने देने वाले हैं। सपा नेता ने कहा कि समाजवादियों ने जौनपुर में मेडिकल कॉलेज दिया। मैं यहां कह कर जा रहा हूं कि सपा सरकार आएगी तो ऐसा मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। जिससे यहां के गरीबों को निःशुल्क इलाज यहीं पर मिल सके।

2 रुपए लीटर दूध के दाम बढ़ने की जनता को दी मुबारक : खोसला

आर एल पाण्डेय दिल्ली। दिल्ली प्रदेश नेशनल पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष राजीव जोली खोसला ने 2 प्रति लीटर मिलावटी दूध के दाम बढ़ाए जाने के लिए जनता को मुबारकबाद दी। ऐसी सरकारों का चयन किया है जो कि जनविरोधी कार्य कर रही हैं जैसे कि दिल्ली सरकार शराब की दुकानों पर एक के साथ एक फ्री और रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाला दूध की कीमत में 2 किलो बढ़ा दिया, ना जाने कब सरकार जनता के लिए लाभदायक होगी। पैंथर्स पार्टी ने राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा था कि मतदान का नाम बदल दिया जाए जैसे भारतीय संस्कृति में दान दी हुई वस्तु पर दान करता का कोई अधिकार नहीं रहता। इसी प्रकार मतदान करने के बाद जनप्रतिनिधि जनता के दिए हुए मत को दान समझकर दुरुपयोग करते हैं। पैंथर्स पार्टी घोर निंदा करती है वह आने वाले चुनाव में जनता से निवेदन करती है कि सोच समझकर मतदान करें।

दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराये जाने हेतु योजना संचालित

जौनपुर सू.वि. : जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी दिव्या शुक्ला द्वारा जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को अवगत कराया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराये जाने हेतु योजना संचालित है। ऐसे दिव्यांगजन जो मस्क्यूलर, डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पालिसी, हीमोफिलिया आदि से ग्रसित हों या व्यक्ति उपयुर्क्त की भॉति शारीरिक स्थिति में हो, उसकी दृष्टि अच्छी हो, मानसिक स्थिति अच्छी हो, कमर के उपर का हिस्सा (भाग) स्वस्थ हों, सम्बन्धित दिव्यांगजन मोटराईज्ड ट्राईसाईकिल पर बैठकर अपने हाथों से उपकरण का संचालन करने में सक्षम हों व जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी के द्वारा उसकी दिव्यांगता न्यूनतम 80 प्रतिशत तक या उससे अधिक प्रमाणित की गयी हो। जिनकी आयु 16 वर्ष या 16 वर्ष से अधिक हो एवं जनपद के स्थायी निवासी हों। दिव्यांगजन या उसके परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रू. 180000 से अधिक नहीं है, आय हेतु तहसील द्वारा निर्गत आय प्रमाण–पत्र मान्य होगा। ऐसे दिव्यांगजन जो हाईस्कूल या उच्चतर कक्षाओं में अध्ययनरत है, को वरीयता दी जायेगी, जिसके सम्बन्ध में संस्थान के संस्थाध्यक्ष द्वारा प्रदत्त प्रमाण–पत्र कार्यालय को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। दिव्यांगजन को "प्रथम आवक प्रथम पावक के सिद्धान्त पर" लाभान्वित किया जायेगा। पात्र दिव्यांगजन को यू0डी0आई0डी0 कार्ड उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। जनपद स्तर पर गठित तकनीकी समिति द्वारा शारीरिक स्थिति की सक्षमता का भौतिक परीक्षण होने के उपरान्त पात्र पाये जाने पर अनुमोदन समिति द्वारा अनुमोदनोपरान्त कार्यवाही की जायेगी। उपर्युक्त श्रेणी में आने वाले ऐसे दिव्यांगजन यदि मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्राप्त करना चाहते है तो दिव्यांग प्रमाणपत्र, आय प्रमाण–पत्र, जाति प्रमाण–पत्र, निवास प्रमाण–पत्र, यू0डी0आई0डी0 कार्ड, आधारकार्ड/अन्य प्रमाण–पत्र, दिव्यांगता दर्शाता हुआ एक पासपोर्ट साइज का नवीनतम् फोटो एवं मो0नं0 के साथ विभागीय बेबसाइट www.hwd.uphq.in पर ऑनलाईन आवेदन कर लाभ उठायें।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा हेतु अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों के साथ बैठक कर दिया गया दिशा–निर्देश

जौनपुर सू.वि. : मा0 प्रधानमंत्री जी का कार्यक्रम 03 मार्च 2022 को टी. डी. डिग्री कालेज के मैदान में आगमन हो रहा है। कार्यक्रम में सुरक्षा की दृष्टिकोण से टी.डी. कालेज के सभागार में अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों के साथ बैठक कर दिशा–निर्देश दिया गया। डीआईजी सुरक्षा ने निर्देश दिया

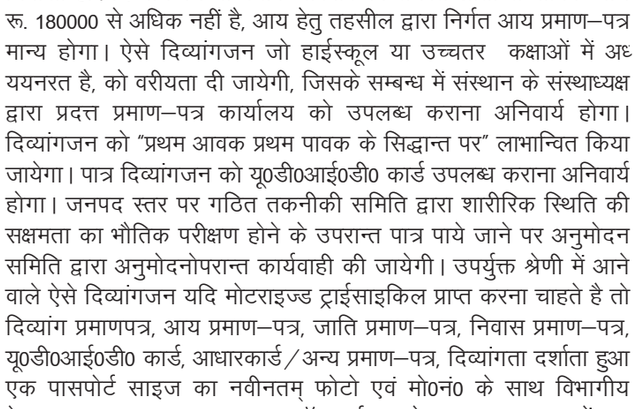

कि जिन अधिकारी एवं कमचारियों की ड्यूटी जिस स्थान पर लगायी गयी है उसी जगह पर अपनी ड्यूटी का निस्पादन करेंगे। सभी को निर्देशित किया कि बिना लापरवाही किये अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। एडीजी ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पास आईडी अवश्य रखें। पार्किंग व्यस्था बनी रहे। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि सभी मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगा दी गयी है, उन्होंने सभी से कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम में लगे हुए अधिकारी एक दूसरे से समन्वय करें। पुलिस अधीक्षक अजय साहनी के द्वारा पुलिसकर्मियों के ड्यूटी के सम्बन्ध में जानकारी दी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक डा. संजय कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बच्चों के साथ अब अभिभावकों की भी बदली दिनचर्या

झांसी ब्यूरो : कोरोना काल में स्कूल बंद थे। बच्चे ऑनलाइन पढ़ रहे थे। इससे अभिभावकों की भी दिनचर्या कुछ बदल गई थी। सुबह जागकर बच्चों का लंच बॉक्स पैक करना, बच्चों को जगाना, उनको तैयार करना, फिर स्कूल छोड़ने जाना आदि आदतें लगभग छूट ही गईं थी। एक बार फिर से पूर्ण क्षमता के साथ विद्यालय प्रारंभ होने से अभिभावकों के रुटीन में भी

बदलाव आ गया है। दो वर्ष पहले फैली कोरोना महामारी से लगभग तीन माह तक कुछ जरूरी विभागों के अलावा पूरा देश ही बंद रहा था। दो साल तक बच्चों ने सिर्फ ऑनलाइन ही पढ़ाई की। बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई ने परिवारजनों की भी आदतें बदल गईं थीं। क्योंकि बच्चे स्कूल जा नहीं रहे थे लिहाजा मम्मी–पापा को सुबह उठने में कोई जल्दबाजी नहीं रहती थी। क्योंकि अब 14 फरवरी को आए शासनादेश के बाद से ज्यादातर बच्चों ने स्कूल जाना प्रारंभ कर दिया है। इसे बच्चों के साथ–साथ अभिभावकों की भी आदतों में बदलाव आया है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों के स्कूल जाने से उन्हें भी अपना रूटीन बदलना पड़ा है।

घर में बंद कर युवकों को रातभर पीटता रहा हिस्ट्रीशीटर : ऐसे बचाई जान

आगरा ब्यूरो : थाना एत्माद्दौला क्षेत्र में एक हिस्ट्रीशीटर ने सोमवार रात को अपनी एक्टिवा मांगने पर एक युवक और उसके साथी को घर में बंधक बनाकर जमकर पीटा। इससे दोनों बेहोश हो गए। मंगलवार तड़के दोनों किसी तरह आरोपी के चंगुल से भाग निकले। उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने दोनों का मेडिकल कराया है। ये है मामला कालिंदी विहार निवासी मयंक ने बताया कि उनके इलाके में एक हिस्ट्रीशीटर रहता है। चार दिन पहले उसकी गाड़ी पंक्चर हो गई थी। वह उसके पास आया। अपनी गाड़ी को छोड़ दिया। इसके बाद उनकी एक्टिवा ले गया। इसके बाद आरोरी उनकी एक्टिवा देने नहीं आया। कॉल भी रिसीव करना बंद कर दिया। आरोप है कि सोमवार रात को मयंक अपने साथी शिवम गोयल निवासी यमुना ब्रिज के साथ गुलाब नगर चाऊमीन खाने के लिए गया था, वहां पर हिस्ट्रीशीटर भी आया था। रस्सी से बांधकर रखा मयंक ने उससे अपनी एक्टिवा मांगी। आरोपी कहने लगा कि कटवा दी है। मयंक ने विरोध किया। इस पर आरोपी ने अपने अन्य दस साथी बुला लिए. आरोपी दोनों को पकड़कर अपने घर के बराबर वाले मकान में ले गए। उन्हें बंधक बना लिया। कपड़े उतारने के बाद रस्सी से बांध दिया, जिसके बाद हिस्ट्रीशीटर और उसके साथियों ने पट्टा, रस्सी और बेल्ट से उन दोनों को जमकर पीटा। रात 11 बजे से तीन बजे तक पीटते रहे। जान से मारने की धमकी दी। पिटाई से मयंक और शिवम बेहोश हो गए। मौका

पाकर भाग निकले पीड़ित बाद में आरोपी बाहर बैठकर शराब पीने लगे। उधर, होश आने पर मयंक और शिवम वहां से किसी तरह भागकर घर पहुंचे। परिवार को घटना की जानकारी दी। हिस्ट्रीशीटर की धमकी से पीड़ित दहशत में हैं। उन्होंने पुलिस से शिकायत की। थाना एत्माद्दौला के प्रभारी निरीक्षक सत्यदेव शर्मा का कहना है कि हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ शिकायत मिली है। दोनों पीड़ितों का मेडिकल कराया गया है। जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा। बताया गया है कि हिस्ट्रीशीटर मूलरूप से हाथरस का रहने वाला है। उसके खिलाफ हत्या, लूट व दुष्कर्म सहित कई मुकदमे दर्ज हैं। वह एत्माद्दौला इलाके में रह रहा है।

आगरा मेट्रो का विदेशी लुकः अल्ट्रा मॉडर्न डिजाइन से तैयार की गई डिपो की दीवार

आगरा ब्यूरो : पीएसी मैदान में बन रही पहली मेट्रो डिपो की दीवार अल्ट्रा मॉडर्न डिजाइन से तैयार की गई है। ढाई किमी लंबी दीवारी पर जगह–जगह मेट्रो के लोगो उकेरे गए हैं। सर्किट हाउस रोड का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसके साथ ही दिव्यांगों के लिए टेक्टाइल पाथ बनाया जाएगा, जिसमें दिव्यांगों को दिशा बताने वाली टाइल्स भी लगेंगी। 60 फीसदी से अधिक काम हुआ पूरा यूपीएमआरसी (उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन) के प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने 112 करोड़ रुपये की लागत से नौ हेक्टेयर में निर्माणाधीन डिपो के विश्वस्तरीय होने का दावा किया है। सिकंदरा से ताजपूर्वी गेट तक प्रस्तावित पहले कॉरिडोर के लिए यह डिपो होगा। पुरानी मंडी चौराहे से फूल सैयद चौराहे तक दीवार खड़ी हो चुकी है। जिसे प्री कास्ट तकनीक से बनाया है। इसमें पहले बेस बनता है। फिर प्री कास्ट दीवार खड़ी की जाती है। परियोजना निदेशक अरविंद राय ने बताया कि 60 फीसदी से अधिक काम पूरा हो चुका है। दीवार के बाहर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। पौधारोपण के लिए गमले बनाए गए हैं। डिपो में पटरी पहुंच गई

हैं। वाटरटैंक के अलावा शेड बनाने का काम जारी है। ये होती है अल्ट्रा मॉडर्न तकनीक परियोजना निदेशक अरविंद राय ने बताया कि अल्ट्रा मॉडर्न तकनीक में प्री कास्ट ढांचे का इस्तेमाल होता है। गहरी व स्पष्ट आकृतियां उकेरी जा सकती हैं, जिससे ये देखने में सुंदर व मजबूत होती हैं। विदेशों में इसी तकनीक से सिविल निर्माण किया जाता है।

साइबर ठगों ने ट्रैक्टर का विज्ञापन देकर ठेकेदार से ठग लिए 93 हजार रुपये : ऐसे बनाया शिकार

आगरा ब्यूरो : आगरा के एत्मादपुर में ठेकेदार मुकेश कुमार से साइबर अपराधियों ने ट्रैक्टर बेचने के नाम पर 93 हजार रुपयों की धोखाधड़ी कर ली। पीड़ित ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई, मगर चार महीने में कार्रवाई नहीं हुई। बीते सोमवार को पीड़ित ने एसएसपी ऑफिस प्रार्थना पत्र दिया है। ऐसे बनाया ठेकेदार को शिकार एत्मादपुर के नई बस्ती निवासी मुकेश के अनुसार, उन्होंने नवंबर 2021 में फेसबुक पर ट्रैक्टर का विज्ञापन देखा था। उन्हें ट्रैक्टर पसंद आ गया। विज्ञापन में एक मोबाइल नंबर लिखा था। उन्होंने उस नंबर पर कॉल किया। कॉल रिसीव करने वाले ने अपना नाम सोनू बताया था। कहा कि वह चार गियर वाला अपना पुराना ट्रैक्टर 1.20 लाख रुपये में बेच रहा है। वह ट्रैक्टर लेने के लिए तैयार हो गए। इस पर उनसे पांच हजार रुपये खाते में जमा करने के लिए बोला। उन्होंने रकम दे दी। अगले दिन फोन करके ट्रैक्टर कंपनी से भेजने की जानकारी दी। कुछ देर बाद उनके पास फिर फोन आया इस बार कहा कि ट्रैक्टर में जीपीएस लगा है। ट्रैक्टर के आगरा की सीमा में आते ही बंद हो जाएगा। जीपीएस को चालू करने के लिए उन्हें 25 हजार रुपये और जमा कराने होंगे। मुकेश ने रकम जमा कर दी। 10 नवंबर को उनके पास एक और कॉल आई। उनसे कहा गया कि वह ट्रैक्टर आगरा की सीमा पर लेकर आ गए हैं। उनसे 30 हजार रुपये और जमा करा लिए। ट्रैक्टर घर नहीं पहुंचने पर खुली पोल उनसे तकरीबन 93 हजार रुपये जमा करा लिए गए। ट्रैक्टर घर नहीं आने पर मुकेश ने नंबर पर कॉल किया। मगर, मोबाइल स्विच ऑफ आया। कई बार मिलाने पर भी मोबाइल चालू नहीं हुआ। इससे उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। उन्होंने ऑनलाइन शिकायत की। जन सुनवाई पोर्टल और थाने में भी शिकायत कर दी। मगर, कार्रवाई नहीं हुई। सोमवार को पीड़ित एसएसपी ऑफिस आया था।

अनुसूचित जाति के लोगों पर हमले के आरोपी पिता को जेल व बेटे को बाल सुधार गृह : पांच की तलाश राजस्थान तक

मथुरा ब्यूरो : मथुरा में मगोर्रा के गांव अड्डा में अनुसूचित जाति के लोगों पर हुए जानलेवा हमले और बवाल मामले में आरोपी पिता को जेल भेज दिया है, वहीं नाबालिग बेटे को बाल सुधार गृह भेजा गया है। इसके अलावा मगोर्रा पुलिस पांच अन्य हमलावरों की तलाश में राजस्थान और यूपी के कई जिलों में दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक हमले का मुख्य आरोपी पकड़ा गया है। यह था पूरा मामला 20 फरवरी को गांव अड्डा में वोट न देने को लेकर दबंगों ने अनुसूचित जाति के लोगों पर हमला कर दिया था। इसमें सात लोग घायल हो गए थे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके हमलावरों की तलाश शुरू कर दी थी। 10 दिनों तक पुलिस को छकाने वाले पिता–पुत्र को मगोर्रा पुलिस ने दबोच लिया था। पांच अन्य हमलावरों की तलाश में जुटी दो राज्यों की पुलिस सीओ गोवर्धन गौरव त्रिपाठी ने बताया थाना मगोर्रा प्रभारी मनोज शर्मा ने हमले का आरोपी रोहताश निवासी गांव अड्डा और उसका 13 साल के बेटे को पकड़ा है। पिता लालपुर चौराहे से गिरफ्तार किया गया था और बेटे को घर से गिरफ्तार किया है। रोहताश को जेल भेज दिया गया है, जबकि नाबालिग होने के कारण बेटे को बाल सुधार गृह भेजा गया है। इसके अलावा मुख्य आरोपी समेत पांच हमलावरों की तलाश में राजस्थान के भरतपुर, डीग और यूपी के आगरा, मथुरा, हाथरस में दबिश दी जा रही हैं। जल्द ही सभी हमलावर पुलिस की गिरफ्त में होंगे। गांव अड्डा में फिलहाल शांति बनी हुई है। हमले में नामजद सात में तीन नाबालिग हमले में नामजद सात में से तीन नाबालिग हैं। सीओ गोवर्धन ने बताया कि तीन नाबालिग में से एक को पकड़ लिया गया है, जबकि दो नाबालिग के अलावा तीन बालिगों की तलाश की जा रही है। वहीं, पुलिस की कार्रवाई से पीड़ित जगराम पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट हैं। उनका कहना है कि जल्द मुख्य आरोपी समेत पांच हमलावरों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाए। इनकी गिरफ्तारी के बाद ही लोग सुरक्षित हो सकेंगे।

महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक अखंड रामायण पाठ और भंडारे का आयोजन सम्पन्न

जौनपुर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : जौनपुर जिले के महराजगंज ब्लाक अंतर्गत नाहरपुर गांव में वरिष्ठ अधिवक्ता पं. अमर नाथ पाण्डेय द्वारा अपनी स्वर्गीय माता की याद में निर्मित शिवालय पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखंड रामायण पाठ, रुद्राभिषेक और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अनवरत 22 वर्ष से चल रहा है वरिष्ठ अधिवक्ता अपनी माता स्वर्गीय ईसराजी देवी पत्नी स्वर्गीय भिखई प्रसाद पाण्डेय की याद में हर वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित करते हैं। समापन के दौरान हवन और पूर्णाहुति की जाती है इस मौके पर हजारों की संख्या में क्षेत्रवासियों और हजारों भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया इस मौके पर विशेष सहयोग अमित पाण्डेय, आशीष पाण्डेय, आकाश पाण्डेय

का रहा इसके उपरांत मौके पर समस्त क्षेत्रवासियों तथा संभ्रांत व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

महाशिवरात्रि पर राष्ट्रीय हिंदू भगवा वाहिनी संगठन द्वारा किया गया भव्य भंडारे का आयोजन

जौनपुर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर का जीर्णोद्धार डॉ रमेश सिंह, डॉ अंजना सिंह, संतोष गुप्ता, हरिश्चन्द्र पटेल, अवनीश सिंह, विनय मिश्रा सहित संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा सम्पन्न हुआ। महाशिवरात्रि के अवसर पर माता पुर लाइनबाजार जगदीशपुर रेलवे क्रॉसिंग से पहले तिराहे पर स्थित बजरंगबली के मंदिर पर संगठन के सदस्यों द्वारा रुद्राभिषेक और भव्य भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और यह भंडारा हर वर्ष किया जाता है यहाँ पर शिवरात्रि के दिन श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का दर्शन किया और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया इस मौके पर संगठन के सभी पदाधिकारी और भक्तगण कार्यकर्ता उपस्थित रहे भंडारे का आयोजन रमेश सिंह राष्ट्रीय हिन्दू भगवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार हुआ जिसमें संगठन के सभी पदाधिकारी जिसमें प्रदीप तिवारी, राष्ट्रीय

संगठन महामंत्री शैलेंद्र सिंह, प्रदेश सचिव सुधीर सिंह, प्रदेश महासचिव संतोष गुप्ता, हरिश्चन्द्र पटेल, अवनीश सिंह, विनय मिश्रा, डॉ अंजना सिंह प्रदेश अध्यक्ष, सीमा तिवारी, अर्चना त्रिपाठी, रेनू सिंह, रेखा सिंह अन्य सभी सम्मानित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदाताओं को अधिक संख्या में मतदान करने हेतु जागरूक किया गया

जौनपुर सू.वि. : कार्यालय नगर पंचायत मड़ियाहूं द्वारा आयोजित मड़ियाहूँ का महोत्सव कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा मतदाताओं को 07 मार्च को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रचार वाहन व चितरंजन कान्वेंट स्कूल के बच्चो एवं नगर पंचायत के सफाईकर्मियों के द्वारा मतदाता जागरूकता निकाली गई रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन के द्वारा नगर पंचायत के विभिन्न कस्बों में जा–जाकर लोगों को मतदान करने हेतु जागरूक करेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी से अपील किया कि 07 मार्च को बढ़–चढ़ कर मतदान करें। उन्होंने विस्तार से लोगों को मतदान के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की और कहा कि जितना अधिक मतदान होगा इतना ही मजबूत लोकतंत्र होगा। 05 साल में एक बार ही मतदान करने का मौका मिलता है, बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदार बने। सभी बच्चों से कहा कि अपने–अपने घर जाकर अपने माता–पिता, पड़ोसी व अन्य लोगों को मतदान करने हेतु अवश्य प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है इसे उत्साह के साथ मनाया जाए। इस अवसर पर नगर पंचायत मड़ियाहूं की चेयरमैन रुखसाना, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, दिलीप कुमार जायसवाल, ईशा फारुकी, इरफान कुरैशी, मेराज अहमद, शहजाद आलम डॉ0 वकार, सभासद, नगर पंचायत के स्टाफ सहित अन्य उपस्थित रहे।

दस गुना महंगी बेचते थे साइकोट्रोपिक दवाएं : इस वजह से मनमाफिक वसूल रहे थे कीमत

आगरा ब्यूरो : साइकोट्रोपिक दवाओं का नशे के आदी लोग दुरुपयोग कर रहे हैं। इससे इन दवाओं की कालाबाजारी बढ़ी है। अधिक आमदनी के चलते बिना बिल के ये दवाएं दस गुना कीमत पर बेचीं जा रही हैं। हाल ही में दिल्ली की सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स, प्रिवेंटिव एंड इंटेलीजेंस सेल ने कोसीकलां में ऐसी फर्म पकड़ी है। वहीं, इन दवाओं की कालाबाजारी को रोकने के लिए आगरा में 38 मेडिकल स्टोरों की जांच की जा रही है। जिससे साइकोट्रोपिक दवाओं की खरीद–बिक्री में लिप्त रैकेट पर अंकुश लगाया जा सके। दिल्ली, मुंबई के अलावा बांग्लादेश तक की जा रही कालाबाजारी आगरा जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आशू शर्मा ने बताया कि मानसिक रोगों के इलाज में साइकोट्रोपिक दवाएं दी जाती हैं। इन दवाओं को नशे के लिए लोग उपयोग कर रहे हैं। इन दवाओं से किसी तरह की गंध नहीं आती और डोज बढ़ाने से मनमाफिक नशा होता है। इसी के चलते दवा माफिया इनकी कालाबाजारी कर रहे हैं। बिल से दवाओं का पूर्ण विवरण और डॉक्टरी पर्चे पर मिलती हैं। ऐसे में बिना बिल के भारी मात्रा में इनकी कालाबाजारी दिल्ली, पुणे, मुंबई, बिहार, बंगाल और बांग्लादेश तक की जा रही है। रेव पार्टियों में इनकी सबसे ज्यादा मांग रहती है। इन दवाओं की 10 टेबलेट के स्ट्रिप की दवा 10 से 20 रुपये तक होती है, बिना बिल के ये 100 से 200 रुपये तक बेचते हैं। इस काम आतीं हैं साइकोट्रॉपिक दवाएं आगरा फार्मा एसोसिएशन के पुनीत कालरा ने बताया कि साइकोट्रोपिक दवाओं का मेंटल डिसआर्डर के मरीजों के इलाज में उपयोग की जाती हैं। ये न्यूरो ट्रांसमीटर्स को नियंत्रित करती है। डोज बढ़ाकर लेने से ये नशे के तौर पर उपयोग होने लगी हैं। गंध विहीन होने के कारण नशे के तौर पर इस्तेमाल करने का युवाओं मे चलन बढ़ा है।

बोर्ड परीक्षार्थियों के सवालों का जवाब देगी विशेषज्ञों की टीम : हेल्प डेस्क गठित

मैनपुरी ब्यूरो : माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने छात्र–छात्राओं की सुविधाओं के लिए जनपद और तहसील स्तर पर शिक्षकों की टीमों का गठन किया है। हेल्प डेस्क के रूप में गठित ये टीमें छात्रों के प्रश्नों का घर बैठे जवाब देंगी। मैनपुरी के जिला विद्यालय निरीक्षक ने परिषद के निर्देश पर तहसील और जिला स्तर पर गठित हेल्ड डेस्क टीमों की सूची जारी कर दी है। सूची में शामिल शिक्षकों को छात्र–छात्राओं की समस्याओं तथा प्रश्नों के जवाब देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने पहलीबार यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के छात्र–छात्राओं के लिए विशेषज्ञ शिक्षकों की टीमें गठित की हैं। जिला और तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क के रूप में गठित ये टीमें छात्र–छात्राओं की कॉल आने पर उनके सवालों का निस्तारण कराएंगे। माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार विषय विशेषज्ञों की टीमों को जिला विद्यालय निरीक्षक ने सक्रिय रहने के

निर्देश दिए हैं। ये टीमें दो मार्च से सक्रिय हो जाएंगी। जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार वर्मा ने टीम में शामिल सभी शिक्षक– शिक्षिकाओं को सुबह 10 बजे से शाम तीन बजे तक सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं।

महाशिवरात्रि शिव उपासना का महापर्व एवं सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत है : सुरेश कुमार मिश्र

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : शिव सत्संग मण्डल आश्रम, हुसेनापुर धौकल (मियांपुर) में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्र ने कहा कि देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा–उपासना व्यापक स्तर पर होती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में ध ार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक पुण्यकारी माना जाता है। श्री मिश्र ने कहा कि शिव सत्संग मण्डल द्वारा प्रतिभाओं को सम्मानित करना वास्तव में सराहनीय है। मंडलाध्यक्ष आचार्य अशोक ने कहा कि धर्म पर जो चला वह उन्नति की ओर बढ़ा।ध्यान और भजन से मनुष्य एक बेहतर इंसान बनता है। अटूट श्रद्धा और विश्वास से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं। लखनऊ अध्यक्ष राजेश पाण्डेय ने महाशिवरात्रि को ऋषियों की आत्मबोध रात्रि के रूप में परिभाषित किया। महाशिवरात्रि यानि महान कल्याण की रात्रि।इस रात्रि में ही स्वामी दयानंद सरस्वती,स्वामी विवेकानंद, आद्य शंकराचार्य,महात्मा बुद्ध तथा अन्यान्य संतों ने ईश्वर का साक्षात्कार किया। बी डी डिग्री कॉलेज,खुटार से पधारे प्रोफेसर डॉ सुधीर बादल ने बताया कि संसार में जिसका कोई आश्रय दाता नहीं,उसके आश्रयदाता भगवान भोलेनाथ हैं। बरेली न्यायालय में सेवारत रवि वर्मा ने कहा कि यह आत्मज्ञान की रात्रि है।शिव का स्मरण करने मात्र से दिव्य चेतना उत्पन्न होती है। लखीमपुर के जिलाध्यक्ष जमुना प्रसाद ने कहा पर्वों का महापर्व महाशिवरात्रि है।शिव स्तुति करने से मन में प्रसन्नता की लहर दौड़ जाती है। आध्यात्मिक शक्तियों से स्व परिवर्तन के साथ साथ वैश्विक परिवर्तन संभव हो जाता है। परमात्मा का प्रकाशस्वरूप से ध्यान करने मात्र से जीवन में अलौकिक बदलाव आता है। शाहजहांपुर के जिलाध्यक्ष डॉ कालिका प्रसाद ने ध्यान और भजन से लाभ,जिला महामंत्री रजनीश सक्सेना ने शिव नाम की महिमा,सुदामा देवी ने सत्संग की महिमा,व्यवस्थापक यमुना प्रसाद ने धर्म अध्यात्म,प्रचारक प्रेम कुमार ने संगठन का महत्व,राम निवास ने भजन करने के उपाय, डॉ रामौतार ने दान का महत्व, हरदोई के जिला महामंत्री रविलाल ने अंधविश्वास से बचने के उपाय बताते हुए शिवोपासना पर प्रकाश डाला। संयोजक अम्बरीष कुमार सक्सेना एवं मोहित राजपूत के संयुक्त संचालन में हुए इस शिवोत्सव का शुभारंभ कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर एवं डॉ संदीप कुमार चौरसिया ने सामूहिक ईश प्रार्थना से किया।इस अवसर पर योग प्रशिक्षक सत्यम,रोहित वर्मा,राम चन्द्र, श्रीकृ ष्ण,राज कुमार, भैयालाल,बहिन सोनम,वंदना,खुशबू आदि ने प्रेरणादाई भजन सुनाए।कार्यक्रम में इंस्पेक्टर एस के मिश्र के कर कमलों से लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ राज किशोर चौरसिया को स्वामी विवेकानन्द के दर्शन

में योग की अवधारणा : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन में शोध करने पर पी एच डी में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। हाई स्कूल में अव्वल रहने वाले छात्र ऋषभ राजपूत,विवेक राजपूत,शिव ओम,वंदना,रुचि, आंशी को सम्मानित किया गया।इंटरमीडिएट में उत्तम अंकों से उत्तीर्ण अंजली राजपूत,रंजना,विशाल राजपूत,अभिषेक कुमार को मेडल आदि से सम्मानित किया गया।स्नातक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त छवि सक्सेना को,सी आई टी एस में प्रथम रहीं शशि वर्मा को, डी फार्मा में अव्वल रहे शिव शरण एवं अजयपाल को सम्मानित किया गया। इनके अलावा 43 कर्मयोगियों को सत्संग क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने के लिए सम्मानित किया गया।मंडल अध्यक्ष आचार्य अशोक ने इंस्पेक्टर सुरेश कुमार मिश्र को तीर्थाटन,पर्यटन एवं संस्कृति तथा सत्यार्थ प्रकाश देकर सम्मानित किया। इस धार्मिक आयोजन में छायाकार राम बहोरन,राष्ट्रीय महामंत्री त्रिपुरेश पांडेय,पंकज सिंह,देव सिंह,स्वामी दयाल,पंकज श्रीवास्तव का सराहनीय योगदान रहा। इस महोत्सव में निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख प्र नवनीत गुप्ता, पवन रस्तोगी,प्रवीण सिंह,नीरज पांडे,अनुराग श्रीवास्तव,आलोक श्रीवास्तव,महावीर सिंह,अभिषेक श्रीवास्तव,महात्मा शांतानंद सहित सैकड़ों सत्संगी बंधु बहिनें मौजूद रहे।

जरा सा चूके तो अपने मतों की तस्दीक नहीं कर पाएंगे : सात सेकेंड तक ही दिखेगा मत

गोरखपुर ब्यूरो : इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के साथ लगने वाली वीवीपैट के स्क्रीन पर समय से नजर नहीं डाली, तो आपने किसे वोट दिया, इसकी तस्दीक नहीं कर पाएंगे। सात सेकेंड बाद ही पर्ची, वीवीपैट से कटकर नीचे रखे बंद बॉक्स में गिर जाएगी। दरअसल, चुनाव में पारदर्शिता के लिए अब हर बूथ पर ईवीएम के साथ वीवीपैट मशीन भी लगाई जाती है। यह मशीन एक प्रिंटर की तरह होती है, जो वोटर को उसके डाले गए वोट के बारे में विस्तृत जानकारी देती है। वोट डालने के बाद वीवीपैट की स्क्रीन पर दिखने वाली पर्ची, मतदाताओं को यह बता देती है कि उन्होंने जिस प्रत्याशी को वोट डाला है, वह उसे ही पड़ा है। क्या है वीवीपैट मशीन वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) मशीन इस बात की पुष्टि करता है कि मतदाता ने जिस उम्मीदवार को वोट दिया है, वह उसी को गया है। वीवीपैट वास्तव में इस बात का पुख्ता सुबूत है जिससे, मतदाता निश्चिंत हो सकते हैं कि उनका वोट सही जगह गया है। उनके मन में ईवीएम को लेकर किसी भी तरह का संदेह नहीं रहेगा। ऐसे काम करती है वीवीपैट जब मतदाता, चुनाव के दौरान ईवीएम में किसी प्रत्याशी के सामने बटन दबाकर उसे वोट करता है तो वीवीपैट की स्क्रीन पर एक पर्ची दिखती है, जो यह बताती है कि उनका वोट

किसको गया है। वीवीपैट की इस पर्ची पर उम्मीदवार का नाम और उसका चुनाव चिह्न छपा होता है। एक वोटर के रूप में मतदाता सात सेकेंड तक इस पर्ची को देख सकता है। फिर, यह सीलबंद बॉक्स में गिर जाती है। वीवीपैट की यह पर्ची किसी मतदाता को नहीं दी जाती। सिर्फ पोलिंग अधिकारी ही वीवीपैट की इस पर्ची को देख सकते हैं। चुनाव की मतगणना के वक्त किसी भी तरह के विवाद की स्थिति में इन पर्चियों की भी गणना की जा सकती है। वर्ष 2013 में पहली बार हुआ वीवीपैट का इस्तेमाल वीवीपैट का पहली बार इस्तेमाल सितंबर 2013 में नगालैंड के चुनाव में हुआ था। वीवीपैट का ईवीएम के साथ इस्तेमाल नगालैंड की नोकसेन विधानसभा क्षेत्र में किया गया था।

चिल्लूपार से प्रत्याशी पूनम गुप्ता के घर से साबुन के गत्ते जब्त : आजाद समाज पार्टी की हैं प्रत्याशी

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र से आजाद समाज पार्टी की प्रत्याशी पूनम गुप्ता के घर सोमवार की रात में फ्लाइंग स्क्वॉड ने छापा मारकर करीब 17.5 लाख रुपये का साबुन जब्त किया। साबुन गत्तों में रखे गए थे। इस मामले में पार्टी प्रत्याशी पर आचार संहिता उल्लंघन का केस भी दर्ज कराया गया है। हालांकि बड़हलगंज थाना क्षेत्र के खड़ेसरी गांव निवासी पूनम के पति और जिला पंचायत सदस्य आलोक कुमार गुप्ता का कहना है कि यह साबुन उनकी फर्म का है, जिसके लिए उन्होंने बाकायदा टैक्स भी जमा किया है। चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र में आजाद समाज पार्टी की प्रत्याशी पूनम गुप्ता का फोटो लगा साबुन बंटने की शिकायत किसी ने प्रेक्षक से की थी। सोमवार देर रात प्रेक्षक की सूचना पर फ्लाइंग स्क्वॉड प्रथम के सेक्टर मजिस्ट्रेट ज्ञानेंद्र शुक्ला की अगुवाई में टीम पहुंची। वहां एक कमरे में रखे साबुन सहित अन्य प्रचार सामग्री को जब्त किया गया। सेक्टर मजिस्ट्रेट, फ्लाइंग स्क्वॉड प्रथम ज्ञानेंद्र शुक्ला ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि वे रात में मिली सूचना के आध

ार पर मौके पर गए थे। वहां मिले सामान को जब्त किया गया। प्रत्याशी के पति ने जो बिल प्रस्तुत किया, उसके अनुसार जब्त माल साढ़े सत्रह लाख रुपये का है। इस मामले में आचार संहिता उल्लंघन का केस भी दर्ज करा दिया गया है। जिला पंचायत सदस्य व प्रत्याशी के पति आलोक कुमार गुप्ता ने कहा कि खड़ेसरी गांव में संचालित ओम साईं ट्रेडर्स से सामान की बिक्री होती है। 30 नवंबर को 17.50 लाख रुपये का साबुन खरीदा गया था। सीजीएसटी व एसजीएसटी जमा कराया गया था।

चुनाव से पहले मतदान केंद्रों को कराया जाएगा सैनिटाइज

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर में तीन मार्च को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। आशा कार्यकर्ताओं को इसे लेकर प्रशिक्षित किया गया है। पीपीई किट, सैनिटाइजर, ग्लव्स, मास्क, इंफ्रारेड थर्मामीटर के साथ दवाओं की किट उपलब्ध करा दी गईं हैं। मतदान के पूर्व केंद्रों को सैनिटाइज कराया जाएगा, ताकि कोरोना संक्रमण न फैल सके। सीएमओ डॉ. आशुतोष कुमार दुबे ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने 24 नोडल अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए हर बूथ पर चार पीपीई किट, पांच लीटर सैनिटाइजर व 15 हजार मास्क उपलब्ध रहेंगे। हर बूथ पर एक आशा कार्यकर्ता की भी ड्यूटी लगाई गई है, जो कोविड प्रोटोकॉल के साथ लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगी। नोडल अधिकारी एंबुलेंस डॉ. नंद कुमार, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एएन प्रसाद और जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं

सूचना अधिकारी केएन बरनवाल को अलग–अलग जिम्मेदारी दी गई है। ये लोग मतदान कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा संबंधित सहयोग उपलब्ध कराएंगे। नोडल अधिकारी एंबुलेंस की देखरेख में मतदान के दिन जिले के अलग–अलग स्थानों पर सभी 99 एंबुलेंस तैनात रहेंगी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी सभी मतदानकर्मियों का कोरोनारोधी टीकाकरण सुनिश्चित कराएंगे। मतदानकर्मी और सुरक्षाबलों के कैशलेस उपचार की सुविधा भी वही देखेंगे। चुनाव के दौरान कोविड संक्रमण को रोकने के लिए कोरोना नियमों का सख्ती से पालन हो, इसके लिए हेल्प डेस्क बनाई जा रही है।

झांसी का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत करने के लिए करोड़ों मद में पड़े : अफसर खर्च न करें

झांसी ब्यूरो : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जिले का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये अलग–अलग मद में पड़े हुए हैं और अफसर इन्हें खर्च नहीं कर पा रहे हैं। इसमें से अधिकांश पैसा पिछले साल आवंटित बजट का भी है, जिसे इस बार खर्च करने का दावा स्वास्थ्य विभाग ने किया था। मगर हुआ कुछ भी नहीं। एनएचएम के तहत झांसी को इस बार भी बजट आवंटित किया गया। चूंकि, वर्ष 2020–21 के लिए स्वीकृत राशि में से अधिकांश पैसा झांसी खर्च नहीं कर पाया था और वर्ष 2021–22 में व्यय करने की विशेष अनुमति लेकर नए बजट में धनराशि जुड़वा ली गई थी। ऐसे में इस साल झांसी को 11.49 करोड़ मिले। मौजूदा हालातों में झांसी में 2.21 करोड़ रुपये ही खर्च हुए हैं, जो कुल बजट का 19.28 प्रतिशत ही है। जबकि, 9.27 करोड़ रुपये स्वास्थ्य विभाग के पास अभी भी हैं और इस वित्तीय वर्ष का आखिरी महीना चल रहा है। बताया गया कि इस पैसे से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी झांसी के स्वास्थ्य ढांचे को सुधार सकते थे लेकिन उन्होंने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई। सिर्फ क्वालिटी एश्योरेंस में काम ठीक हुआ है। इसके लगभग सभी मदों में व्यय किया गया। इस कारण कई अस्पतालों को पुरस्कार भी मिले हुए हैं। जबकि, कुल कुल बजट खर्च करने में झांसी प्रदेश के टॉप 20 जिलों में भी नहीं है। एनीमिया दूर करने को मिले थे 4.27 लाख खर्च हुए 150 रुपये बाल स्वास्थ्य मद में बच्चों का एनीमिया दूर करने के लिए 4.27 लाख बजट मिला हुआ था, जिसमें से सिर्फ 150 रुपये खर्च किए गए हैं। कुपोषित बच्चों को एनआरसी सेंटर भेजने पर आशाओं को प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इसके लिए 28800 रुपये मिले थे, जिसमें से 700 रुपये खर्च हुआ है। एनआरसी में भर्ती मां–बच्चे के खानपान के इंतजाम आदि के लिए 7.80 लाख बजट मिला था, इसमें से सिर्फ 11 फीसदी व्यय हुआ। न्यू बॉर्न सिक केयर यूनिट के लिए भी 20 लाख रुपये मिले थे, जिसमें से सिर्फ 5.88 लाख खर्च यानी 29 प्रतिशत पैसा खर्च किया गया। इस बजट को मशीनों की मरम्मत, नई मशीन खरीदना आदि पर खर्च किया जा सकता था। वही, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना के लिए 6.77 करोड़ मिले थे। जहां पर लोगों को तमाम जांचों की सुविधा मिलती। एक पैसे का भी व्यय नहीं हुआ। होम बेस्ड न्यू बॉर्न केयर किट खरीदी जानी थी, इसके लिए 1.80 लाख मिले थे। शून्य व्यय हुआ है। इसमें बच्चों का वजन करने वाली मशीन, दवाओं की किट होती है, जो बीमार बच्चे के परिजनों को दी जाती है। कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर को टीम बेस्ड इंसेंटिव तक नहीं दिया गया है। जबकि, खाते में 15.58 लाख पड़े हैं। नेशनल अर्बन हेल्थ मिशन (एनयूएचएम) पर एक भी पैसा खर्च नहीं किया गया है। अर्बन स्वास्थ्य केंद्रों को रोजमर्रा के खर्चों के लिए 6.50 लाख फंड आया, जिसका भी व्यय शून्य रहा। आरबीएसके की टीमें स्कूल जाकर बच्चों की जांच करती हैं। टीमों के लिए दवाओं की किट खरीदी जानी थी, वो भी नहीं खरीदी गई। जबकि, पांच हजार रुपये प्रति टीम बजट आया था। एनएचएम के स्वीकृत कार्यक्रमों की वित्तीय प्रगति की मंडलायुक्त द्वारा लगातार समीक्षा कर व्यय के निर्देश दिए गए हैं। कुछ निर्माण कार्य व अन्य गतिविधियां ऐसी हैं, जिनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया में समय लगता है। कोविड के चलते भी कुछ विलंब हुआ है। शीघ्र ही व्यय कर लिया जाएगा। – आनंद चौबे, मंडलीय परियोजना प्रबंधक, एनएचएम।

आपातकालीन ब्रेक लगाने से रेल लाइन क्षतिग्रस्त : दो घंटे तक आवागमन रहा प्रभावित

महराजगंज ब्यूरो : गोरखपुर–नरकटियागंज रेल प्रखंड पर बुधवार को नरकटियागंज से गोरखपुर जा रही मालगाड़ी सिसवा स्टेशन के बाहरी सिंग्नल के अचानक लाल होने पर चालक ने आपातकालीन ब्रेक लगाया, जिससे कुछ दूर तक रेल लाइन पिघल गया। फाटक बंद होने से दो घंटे तक आवागमन प्रभावित रहा। मालगाड़ी के चालक रविंद्र राव

ने बताया कि जैसे ही सिसवा स्टेशन गाड़ी पास कर रही थी, तभी अचानक बाहरी सिंग्नल सिंग्नल लाल हो गया। यह देख कर तत्काल आपातकालीन ब्रेक लगाना पड़ा। जिससे रेल लाइन भी कुछ दूर तक पिघल गई है। इस दौरान गाड़ी खड़ी होने से रेल फाटक नंबर 25 एसी लगभग दो घंटे तक बंद रहा। मालगाड़ी को पुनः स्टेशन पर लाया गया। जिसके बाद आवागमन शुरू हो सका। सहायक स्टेशन अधीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि अभी तक पता नहीं चल पाया है कि सिंग्नल लाल क्यों हुआ था? तकनीकी टीम के जांच के उपरांत ही कुछ कहना संभव हो सकेगा।

चुनाव को लेकर सरहद पर बढ़ी चौकसी : रोका गया आवागमन

महराजगंज ब्यूरो : महराजगंज जिले में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारत नेपाल की प्रमुख सीमाएं मतदान के 72 घंटे पूर्व सील कर दी गई है। सीमा पर चौकसी तेज कर दी गई है। सोनौली सीमा

से मेडिकल, रेलवे और हवाई टिकट यात्रियों को आने जाने दिया गया। सीमा के मुख्य मार्ग सहित पगडंडियों पर एसएसबी जवानों का पहरा है। मंगलवार सीमा सील होने के बाद भारत एवं नेपाल में फंसे पर्यटक वाहनों को रात्रि दस बजे तक निकाला गया। भारतीय एवं नेपाली नागरिकों को नेपाल की तरफ रोक दिया गया है। केवल गंभीर रूप से बीमार मरीजों और हवाई टिकट के यात्रियों को जांच के बाद भारत में प्रवेश दिया गया। सीमा पर सीसीटीवी कैमरों व खोजी कुत्तों की सहायता से अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। एसएसबी इंस्पेक्टर आरएस अहीर ने बताया कि मेडिकल और हवाई टिकट यात्रियों को सुबह से करीब 175 लोगों को भारत में प्रवेश दिया गया है। करीब तीन सौ नेपाली एवं दूर दूर से सीमा पर पहुंचे भारतीय मरीजों को नेपाल जाने दिया गया।

मतदाता पर्ची नहीं पहुंची तो एप से पा सकते हैं बूथ : क्रमांक की जानकारी

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले में जिन मतदाताओं के पास वोटर पर्ची नहीं पहुंची, वे निर्वाचन आयोग के विशेष एप वोटर हेल्पलाइन के जरिये अपने बूथ, भाग संख्या और क्रमांक आदि की पूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं। गूगल प्लेस्टोर से इस एप को इंस्टाल कर सकते हैं। इसकी मदद से कोई भी मतदाता एपिक नंबर यानी वोटर कार्ड के नंबर या फिर संबंधित मतदाता का पूरा विवरण दर्ज कर जानकारी हासिल कर सकता है। जिला प्रशासन की सख्ती के बाद भी मंगलवार तक तमाम मतदाताओं के पास मतदाता पर्ची नहीं पहुंच सकी। डीएम की चेतावनी के बाद पिछले तीन–चार दिन से मतदाता पर्ची के वितरण कार्य की रफ्तार तो बढ़ी, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में लोगों को पर्ची मिली नहीं। दरअसल, मतदाता पर्ची, वोट देने का आधार नहीं है, मगर एक सामान्य मतदाता को इससे काफी सहूलियत मिल जाती है। इस पर्ची के माध्यम से उसे यह जानकारी मिल जाती है कि उसका बूथ कौन और कहां है। साथ ही यह भी पता लग जाता है कि उस बूथ की मतदाता सूची में कौन सी भाग संख्या में कितने क्रमांक पर उसका व उसके परिवार के सदस्यों का नाम दर्ज है। यानी मतदाता यह आश्वस्त हो जाता है कि उसे बूथ पर किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। जिसके पास मतदाता पर्ची नहीं पहुंची है, उसे परेशान होने की जरूरत नहीं है। वह घर बैठे मोबाइल फोन पर वोटर हेल्पलाइन एप के जरिये अपने परिवार के सभी मतदाता सदस्यों के बारे में जरूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मो0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।